

प्रेषक,

मदन सिंह,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

नियंत्रक,  
विधिक माप विज्ञान,  
उत्तरांचल, देहरादून।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 22/ मार्च, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक संख्या-3475-के अन्तर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-184/नि0वि0मा0वि0/ब0पुन0/2005, दिनांक 20 फरवरी, 2006 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या-संख्या-582/XIX/बजट/2005-62/खाद्य/05, दिनांक: 07-04-2005, संख्या-727/XIX/बजट/05-62/खाद्य/2005, दिनांक: 04-05-2005, संख्या-881/XIX/बजट/05-62/खाद्य/2005, दिनांक: 22-07-2005 तथा संख्या-1053/पुनर्विनियोग/XIX/2005-34/खाद्य/04, दिनांक-09 सितम्बर, 2005, के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय खाद्य विभाग के विधिक माप विज्ञान (बाट माप) विभाग हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक में लेखाशीर्षक 3475 के आयोजनेत्तर पक्ष में कार्यालय व्यय, लेखन सामग्री तथा पेट्रोल आदि आनुसांगिक मानक मदों हेतु धनराशि रु0 2.45 (रुपये दो लाख पैतालीस हजार मात्र) का सलग्न बी0एम0-15 के कालम-5 पर अंकित मानक मदों/विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है। किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।
- 3- यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय नहीं किया जायेगा जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकतानुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय का विवरण यथा समय प्रत्येक माह बी0एम-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।
- 5- उक्त मद मितव्ययता की मद है इसमें व्यय सीमित रखते हुए कटौती किये जाने का प्रयास किया जाय।
- 6- उपकरण, फर्नीचर, मशीनों का क्रय पदधारक/कार्यालय के मानक के अनुसार डी0जी0एस0 एण्ड डी0 की दर अथवा टेण्डर/कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।

—2/-



7- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-25 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक-3475-अन्य सामान्य आर्थिक सेवार्य-00-आयोजनेत्तर-106-भार और माप का विनियमन-03-अधिष्ठान व्यय के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-05 में उल्लिखित शुरुआत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

8- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-140/वि0अनु0-5/2006, दिनांक-16 मार्च, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मदन सिंह)

सचिव।

संख्या-270 (1)/XIX/पुन0वि0/06-62/खाद्य/2005, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. आयुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उत्तरांचल, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. सहायक नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान, उत्तरांचल, देहरादून।
5. वित्त नियंत्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल देहरादून।
6. निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल देहरादून।
7. मुख्य कोषाधिकारी, उत्तरांचल, देहरादून।
8. वरिष्ठ सम्भागीय वित्त लेखाधिकारी, खाद्य, गढ़वाल संग्राम, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन।
10. समन्वयक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम0एम0उपेता)

अपर सचिव।

$$x = \frac{1.4 \times 10^{-2}}{2.0 \times 10^{-2} - 2.0 \times 10^{-2} - 1.4 \times 10^{-2} - 1.4 \times 10^{-2}}$$
$$\frac{\left(\frac{G_{\text{eff}}}{X_{\text{eff}}}\right)}{\left(\frac{G_{\text{eff}}}{X_{\text{eff}}}\right)} = \frac{1}{1} = 1$$
[illegible]
$$A_1 = \frac{G_1}{G_1 + G_2 + \dots + G_n} = \frac{G_1}{G}$$
$$\left( \frac{1}{2} \sqrt{\frac{2}{\pi}} \frac{\Gamma(2n+1)}{\Gamma(n+1)} \right)^{1/2}$$
[illegible][illegible]

~~(कालिका चरितम्)~~